अनेकांत एज्युकेशन सोसाइटी

तुलजाराम चतुरचंद महाविद्यालय, बारामती

(स्वायत्त)

हिंदी विभाग

स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष कला प्रोग्राम हिंदी में

(कला संकाय)

सी.बी.सी.एस. पाठ्यक्रम

स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष कला (हिंदी) सेमेस्टर-IV

चॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम सिलेबस (2019 पैटर्न)
शैक्षणिक वर्ष 2020-2021 से लागू किया जायेगा

कार्यक्रम का शीर्षक : स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष कला (हिंदी)

Programme Outcomes (PO)

Program Outcomes (POs) for M.A. Programme

PO1	**अनुसंधान-संबंधित कौशल और वैज्ञानिक स्वभाव :** वैज्ञानिक साहित्य का अनुमान लगाएं, जांच की भावना पैदा करें और परिकल्पना और शोध प्रश्नों को तैयार करने, परीक्षण करने, विश्लेषण करने, व्याख्या करने और स्थापित करने में सक्षम हों और उत्तर खोजने के लिए प्रासंगिक स्रोतों की पहचान करना और उनसे परामर्श करना। शिक्षा विदों और अनुसंधान नैतिकता, वैज्ञानिक आचरण पर जोर देते हुए और बौद्धिक संपदा अधिकारों और मुद्दों के बारे में जागरूकता पैदा करते हुए एक शोधपत्र/परियोजना की योजना बनाने और लिखने में सक्षम बने।
PO2	**प्रभावी नागरिकता और नैतिकता :** सहानुभूतिपूर्ण सामाजिक चिंता और समानता केंद्रित राष्ट्रीय विकास का प्रदर्शन करें और नैतिक और नैतिक मुद्दों के बारे में जागरूकता के साथ कार्य करें और पेशेवर नैतिकता और जिम्मेदारी के लिए प्रतिबद्ध हों।
PO3	**सामाजिक क्षमता और संचार कौशल :** समूह सेटिंग्स में दूसरों के विचारों को समायोजित करने और अपनी राय और जटिल विचारों को लिखित या मौखिक रूप में स्पष्ट और संक्षिप्त तरीके से प्रस्तुत करने की क्षमता प्रदर्शित करें। विचारों और विचारों को लिखित और मौखिक रूप से प्रभावी ढंग से प्रदर्शित करें, उचित मीडिया का उपयोग करके दूसरों के साथ संवाद करें, वैश्विक दक्षताओं को पूराकरने के लिए प्रभावी इंटरैक्टिव और प्रस्तुतीकरण कौशल का निर्माण करें। दूसरों के विचार प्राप्त करें, जटिल जानकारी को स्पष्ट और संक्षिप्त रूप में प्रस्तुत करें और समझने में मदद करें।
PO4	**अनुशासनात्मक ज्ञान :** पारंपरिक अनुशासन ज्ञान और आधुनिक दुनिया में इसके अनुप्रयोगों का मिश्रण प्रदर्शित करें। मजबूत सैद्धांतिक क्रियान्वित करें और चुने गए कार्यक्रम से उत्पन्न व्यावहारिक समझ विकासित करें।
PO5	**व्यक्तिगत और व्यावसायिक क्षमता :** परिभाषित उद्देश्यों को पूरा करने और अंतः विषय क्षेत्रों में काम करने के लिए एक टीम के हिस्से के रूप में स्वतंत्र रूप से और सहयोगात्मक रूप से प्रदर्शन करें। पारस्परिक संबंध, आत्म-प्रेरणा और अनुकूलनशीलता कौशल निष्पादित करें और प्रतिबद्ध रहें।
PO6	**स्व-निर्देशित और जीवनभर सीखना :** सामाजिक-तकनीकी परिवर्तनों के व्यापक संदर्भ में आत्म-निर्धारित लक्ष्यों को उत्साहपूर्वक प्राप्त करनेवाले जीवनभर सीखनेवाले बने रहने के दृष्टिकोण का प्रदर्शन करें। व्यापक संदर्भ में स्वतंत्र और जीवनभर सीखने में संलग्न रहने कीक्षमता हासिल करें।
PO7	**पर्यावरण और स्थिरता :** सामाजिक और पर्यावरणीय संदर्भों में वैज्ञानिक समाधानों के प्रभाव को समझें और टिकाऊपन के ज्ञान और आवश्यकता को प्रदर्शित करें।
PO8	**आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान :** अपने आस-पास की स्थितियों की बारीकी से जांच करके समस्याओं की पहचान करें और घटनाओं के बारे में समग्र रूप से सोचें और इन समस्याओं का व्यवहार्य समाधान निकालें। आलोचनात्मक सोच के कौशल का प्रदर्शन करें और वैज्ञानिक ग्रंथों को समझें और वैज्ञानिक बयानों और विषयों को संदर्भों में रखें और सामान्य सम्मेलनों के संदर्भ में उनका मूल्यांकन भी करें। स्थिति को बारीकी से देखकर समस्या को पहचान लें कार्रवाई और पार्श्वसोच और विश्लेषणात्मक कौशल को लागू करें।

Course Structure for M .A.-II, Hindi (2019 Pattern)

Sem	Course Type	Course Code	Course Title	Theory/ Practical	No. of Credits
IV	Major (Mandatory)	HIN5401	सामान्य स्तर – आधुनिक काव्य 2 (विशेष कवि कुँवर नारायण तथा नई कविता)	Theory	04
	Major (Mandatory)	HIN5402	विशेष स्तर –हिंदी भाषा का ऐतिहासिक विकास	Theory	04
	Major (Mandatory)	HIN5403	विशेष स्तर –हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	Theory	04
	Major (Mandatory)	HIN5404	विशेष स्तर – वैकल्पिक : लोकसाहित्य	Theory	04
			Total Credits Semester-IV		**16**

स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष कला

HINDI [M.A.]

SEMISTER - IV

सामान्य स्तरः– आधुनिक काव्य 2
(विशेष कवि कुँवर नारायण तथा नई कविता)

PAPER CODE : HIN5401

(2020-2021)

(2019 Pattern)

Name of the Programme	: M.A. Hindi
Program Code	: HIN
Class	: M. A. - II
Semester	: IV
Course Type	: Major Mandatory
Course Name	: सामान्य स्तरः– आधुनिक काव्य 2 (विशेष कवि कुँवर नारायण तथा नई कविता)
Course Code	: HIN5401
No. of Lectures	: 60
No. of Credits	: 04

a) उद्देश्य (Course Objectives) :

1. छात्रों को आधुनिक हिंदी काव्य की प्रवृत्तियों का परिचय कराना।
2. छात्रों को नई कविता के तात्विक स्वरूप की जानकारी देना।
3. आधुनिक युग में इन काव्य प्रकारों के विकासक्रम से परिचित कराना।
4. नई कविता के आस्वादन, अध्ययन और मूल्यांकन की दृष्टि देना।
5. विषेष कवियों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित कराना।
6. विषेष कवियों के वैचारिक दृष्टि से अवगत कराना।
7. नई कविता में चित्रित आधुनिक बोध से परिचित कराना ।

b) अपेक्षित परिणाम (Course Outcomes) :

CO1-नई कविता की समृद्ध परंपरा से परिचित होंगे।

CO2-कविता में चित्रित यथार्थ बोध का परिचय होगा।

CO3-छात्र नई कविता में चित्रित बदलते मूल्यों से परिचित होंगे।

CO4-मानव जाति और सृष्टि के संबंध में चित्रित मूल विषिष्टता को समझाना।

CO5-छात्रों में काव्य लेखन की वृत्ति विकसित होंगी।

CO6-समकालीन परिस्थितियों से परिचित होंगे।

CO7-नई कविता में चित्रित नई समस्याओं परिचित होंगे।

अध्यापन पद्धति :

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण।
2. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा गुटचर्चा।
3. दृक–श्राव्य माध्यमों/संगणक तथा इंटरनेट का प्रयोग।
4. शैक्षिक अध्ययन यात्रा का आयोजन।
5. परिचर्चा।
6. अतिथि विद्वानों के व्याख्यान।

एम.ए.(हिंदी) चतुर्थ सत्र
प्रश्नपत्र 13 : सामान्य स्तर – आधुनिक काव्य 2
(विशेष कवि कुँवर नारायण तथा नई कविता)
(इस प्रष्नपत्र के लिए कुल श्रेयांक/क्रमांक/क्रेडिट= 04)

पाठ्यक्रम

(1) विशेष कवि कुँवर नारायण संपा. डॉ. सुरेश बाबर तथा डॉ. नीला बोर्वणकर
प्रकाशक : वाणी प्रकाशन, 21,दरियागंज ,नई दिल्ली

अध्ययनार्थ कविता :

1. चक्रव्यूह
2. जाड़ों की एक सुबह
3. अब की अगर लौटा तो
4. लगभग दस बजे रोज
5. कविता
6. भाषा की धस्त परिस्थितिकी में
7. कविता की जरूरत
8. महाभारत
9. अयोध्या – 1992
10. आठवीं मंजील पर
11. एक संक्षिप्त कालखंड में
12. नीम के फूल
13. स्पष्टीकरण
14. अमीर खुसरो
15. आजकल कबीरदास
16. रंगों की हिफ़ाजत
17. बाज़ारों की तरफ भी
18. शहर और आदमी
19. एक अजीब–सी मुश्किल में हूँ इन दिनों
20. काला और सफेद

अध्ययनार्थ विषय :

1. कुँवर नारायण के काव्य में आधुनिक बोध
2. कुँवर नारायण के काव्य की विषेषताएँ
3. कुँवर नारायण के काव्य में वैचारिकता
4. कुँवर नारायण के काव्य की भाषा

5. कुँवर नारायण के काव्य का षिल्प

(2) नई कविता संपा. डॉ. सुरेश बाबर तथा डॉ. अलका पोतदार प्रकाशक : वाणी प्रकाशन, 21,दरियागंज ,नई दिल्ली

अध्ययनार्थ कवि :

अ. लीलाधर जगूडी

1. पाटा
2. भरोसे की कविता
3. उदासी के खिलाफ़
4. डेढ़ रुपये की ताक़त
5. बीमारी जो गरीबी है
6. आधुनिक शब्द
7. एक और नामकरण

आ. उदय प्रकाष

1. कायदा
2. वर्तमान को धन्यवाद
3. सहानुभूति की मॉग
4. विद्वान लोग
5. सुनो कारीगर
6. मॉ
7. पिता

इ. कात्यायनी

1. बुजुर्ग राहगीर की कविता
2. आस्था का प्रश्न
3. गुड़ की डली
4. वे नहीं सोचते
5. आशावादी नागरिक की कविता
6. आम आदमी का प्यार
7. सौ साल कैसे जिये?

ई. दामोधर मोरे

1. मेरी प्यारी आज़ादी
2. मुझे बरदास्त नहीं होता
3. युगधर्म
4. शायरी और आमलेट
5. पहरा
6. सावित्री से सावित्री तक
7. मौत का पैगाम

(तासिकाएँ 15 घंटे =श्रेयांक / कर्मांक / क्रेडिट– 01)
(तासिकाएँ 15 घंटे =श्रेयांक / कर्मांक / क्रेडिट– 01)

अध्ययनार्थ कविता के विषय :

1. नई कविता का अनुभूति पक्ष
2. नई कविता की शिल्प योजना
3. लीलाधर जगूड़ी के काव्य का कथ्य
4. लीलाधर जगूड़ी के काव्य का शैली पक्ष
5. उदय प्रकाश के काव्य की भावगत विशेषताएँ
6. उदय प्रकाश के काव्य की शिल्पगत विशेषताएँ
7. कात्यायनी के काव्य का भावपक्ष
8. कात्यायनी के काव्य का कलापक्ष
9. दामोदर मोरे के काव्य की संवेदना
10. दामोदर मोरे के काव्य का अभिव्यक्ति पक्ष

कुल श्रेयांक / कर्मांक = 04

———————————————

(तासिकाएँ 15 घंटे =श्रेयांक / कर्मांक / क्रेडिट– 01)
(तासिकाएँ 15 घंटे =श्रेयांक / कर्मांक / क्रेडिट– 01)

संदर्भ ग्रंथ :

1. कुँवर नारायण : नैतिक संवेदना का द्वंद्व– पूनम सिंह
2. कुँवर नारायण का काव्य–'कोई दूसरा नहीं' का समीक्षात्मक अध्ययन–पुष्पलता
3. आत्मजयी–चेतना और शिल्प– विजया शर्मा
4. कुँवर नारायण और उनका साहित्य– अनिल मेहरोत्रा
5. नई कविता का बौद्धिक परिप्रेक्ष्य–कुँवर नारायण और विजयदेव
6. नारायण साही के विशेष संदर्भ में– गोरखनाथ पाण्डेय
7. कुँवर नारायण का रचना– संसार–एक समीक्षात्मक अनुशीलन–मिथलेश शरण चौबे
8. नई कविता के प्रमुख हस्ताक्षर – डॉ. संतोषकुमार तिवारी
9. हिंदी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि – द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
10. काव्य रूप संरचना : उद्भव और विकास – सुमन राजे
11. आधुनिक हिंदी काव्य में रूप विधाएँ – डॉ. निर्मला जैन
12. हिंदी राम काव्य का स्वरूप और विकास :बदलते युग बोध के परिप्रेक्ष्य में – डॉ. प्रेमचंद्र महेष
13. संसद से सड़क तक और गोलपीठा– प्रा. अनंत केदारे
14. कुँवर नारायण–संसार – संपादन– यतींद्र मिश्र

15. कुँवर नारायण–उपस्थिति – संपादन– यतींद्र मिश्र
16 .तीसरा सप्तक – संपादक– अज्ञेय
17 .कुँवर नारायण–पचास कविताएँ– वाणी प्रकाषन, नई दिल्ली
18. हिंदी के आधुनिक कविः व्यक्तित्व और कृतित्व – रवींद्र भ्रमर
19. समकालीन हिंदी कविता में आम आदमी –जोषी मृदुल
20 .नई कविता का सौंदर्य बोध – डॉ. रेनू दीक्षित
21. अस्तित्ववादी स्वतंत्रता का प्रभामंडल और नई कविता– हनुमंतराय नीरव
22. नई कविता– पुरातन सूत्र – डॉ मानसिंह वर्मा
23. समकालीन हिंदी कविता – रवींद्र भ्रमर
24. नई कविता की प्रबंध–चेतना – डॉ महावीरसिंह चौहान
25 .नया हिंदी काव्य और विवेचन –षंभुनाथ चतुर्वेदी नई कविता – देवराज
26. आधनिक हिंदी काव्य का मनोवैज्ञानिक अध्ययन–डॉ बनवारीलाल द्विवेदी
27. सप्तक काव्य में व्यंग्य विधान – डॉ गिरीष महाजन
28 .आधुनिक खंडकाव्यों में युगचेतना – डॉ एन डी पाटील
29 .नागार्जुन के काव्य का अनुशीलन – डॉ. पूनम बोरसे
30. अज्ञेय से अरूण कमल –डॉ. संतोषकुमार तिवारी, भारती ग्रंथ निकेतन, दरियागंज, नई दिल्ली
31 आधुनिक कविता यात्रा – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, 15 ए, महात्मा गांधी मार्ग, इलाहाबाद
32 .आधुनिक कविता : प्रमुख वाद एवं प्रवृत्तियॉ – दुर्गाशंकर मिश्र, विश्वभारती प्रकाशन, नागपुर
33. आधुनिक काव्य सांस्कृतिक चेतना – डॉ. राजपाल शर्मा, पांडुलिपि प्रकाशन, दिल्ली– 51
34. आधुनिक काव्य और संस्कृति–डॉ. भक्तराज शास्त्री, चंद्रलोक प्रकाशन, कानपुर
35. आधुनिक कविता :सिद्धांतऔर समीक्षा –विश्वंभरनाथ उपाध्याय, प्रभात प्रकाशन दिल्ली
36. आधुनिक हिंदी कविता में काव्य चिंतन–डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय, क्वॉलिटी बुक पब्लिकेशन, कानपुर
37. समकालीन हिंदी कविता और लीलाधर जगूड़ी–डॉ. शर्मिला सक्सेना, के. एल. पचौरी प्रकाशन, गाजियाबाद– 201102
38. समकालीन कवि डॉ. लीलाधर जगूड़ी – अंजली चौधरी, विद्याविहार, कानपुर
39. नई कविता पुरातन सूत्र– डॉ. स मानसिंह वर्मा, राधा पब्लिकेशन, दिल्ली
40 .समकालीन कविता :प्रकृति और परिवेश–डॉ. रतनकुमार पांडेय, अनंग प्रकाशन, दिल्ली
41 .साठोत्तरी कविता : विद्रोही प्रतिमान– डॉ. रतनकुमार पांडेय, अनंग प्रकाशन, दिल्ली

Choice Based Credit System Syllabus (2019 Pattern)

Mapping of Program Outcomes with Course Outcomes

Class: **M.A.-II** (Sem - IV) **Subject** : HINDI

Course: Theory **Course Code**: HIN5401

Tittle of Course : आधुनिक काव्य – 2

Weightage: 1= weak or low relation, 2= moderate or partial relation, 3= strong or directrelation

	Programme Outcomes (POs)								
Course Outcomes	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PO 9
CO 1						2			
CO 2				2					
CO 3		3				3			
CO 4	2							3	
CO 5					3				
CO 6			3			2			
CO 7			3				1		
CO 8									

Justification for the mapping

PO1: अनुसंधान-संबंधित कौशल :

CO4- मानव जाति और सृष्टि के संबंध में चित्रित मूल विशिष्टता को विवेचित एवं विश्लेषित करना।

PO2: प्रभावी नागरिकता और नैतिकता :

CO3- छात्र नई कविता में चित्रित बदलते मूल्यों से परिचित होंगे।

PO3: सामाजिक क्षमता :

CO6- समकालीन परिस्थितियों से परिचित होंगे।

CO7- नई कविता में चित्रित नई समस्याओं से परिचित होंगे।

PO4: अनुशासनात्मक ज्ञान :

CO2- कविता में चित्रित यथार्थ बोध करते ही छात्र उसका अनुपालन करेंगे।

PO5: **व्यक्तिगत और व्यावसायिक क्षमता :**

CO5- छात्रों में काव्य लेखन की वृत्ति विकसित होंगी।

PO6: स्व-निर्देशित और जीवनभर सीखना :

CO1- नई कविता की समृद्ध परंपरा से परिचित होंगे।

CO3- छात्र नई कविता में चित्रित बदलते मूल्यों से परिचित होंगे।

CO6- समकालीन परिस्थितियों से परिचित होंगे।

PO7: पर्यावरण और स्थिरता :

CO7- नई कविता में चित्रित नई समस्याओं से परिचित होंगे।

PO8: आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान :

CO4- मानव जाति और सृष्टि के संबंध में चित्रित मूल विशिष्टता को विवेचित एवं विश्लेषित करना।

स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष कला

HINDI [M.A.]

SEMISTER - IV

विशेष स्तर

हिंदी भाषा का ऐतिहासिक विकास

PAPER CODE : HIN5402

(2020-2021)

(2019 Pattern)

Name of the Programme : M.A. Hindi
Program Code : HIN
Class : M. A. - II
Semester : IV
Course Type : Major Mandatory
Course Name : **विशेष स्तर : हिंदी भाषा का ऐतिहासिक विकास**
Course Code : HIN5402
No. of Lectures : 60
No. of Credits : 04

a) उद्देश्य (Course Objectives) :

1. छात्रों को हिंदी भाषा का उद्भव एवं विकास तथा ऐतिहासिक पृष्ठभूमि का परिचय देना।
2. आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ और उनके वर्गीकरण से अवगत कराना।
3. भारतीय आर्य भाषाओं के ऐतिहासिक विकास क्रम की जानकारी देना।
4. हिंदी बोलियों का वर्गीकरण तथा क्षेत्र से परिचित कराना।
5. हिंदी का व्याकरणिक स्वरूप और विकास की जानकारी देना।
6. लिपि विज्ञान की उपयोगिता स्पष्ट करना।
7. हिंदी प्रचार एवं प्रसार के आंदोलन की जानकारी देना।

b) अपेक्षित परिणाम (Course Outcomes) :

CO1-छात्रों को हिंदी भाषा का उद्भव एवं विकास तथा ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से परिचय होंगे।

CO2-भाषा के वैज्ञानिक अध्ययन की दृष्टि निर्माण होंगी।

CO3-भाषा के विविध अगों से परिचित होंगे।

CO4-देवनागरी लिपि का विकास तथा इतिहास से परिचित होंगे।

CO5-विभिन्न बोलियों का ज्ञान अवगत होगा।

CO6-भाषा तथा बोलियों से भौगोलिक ज्ञान प्राप्त होगा।

CO7-भाषा से संबंधित विभिन्न शब्द कोष से परिचित होंगे।

अध्यापन पद्धति :

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण।
2. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा गुटचर्चा।
3. दृक–श्राव्य माध्यमों/संगणक तथा इंटरनेट का प्रयोग।
4. शैक्षिक अध्ययन यात्रा का आयोजन
5. परिचर्चा।
6. अतिथि विद्वानों के व्याख्यान।

एम.ए.(हिंदी) चतुर्थ सत्र
प्रश्न पत्र 14 : विशेष स्तर
हिंदी भाषा का ऐतिहासिक विकास
(इस प्रष्नपत्र के लिए कुल श्रेयांक/कमांक/क्रेडिट= 04)

पाठ्यक्रम

1. हिंदी भाषा का उद्‌भव एवं विकास की ऐतिहासिक पृष्ठभूमिः–प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ– वैदिक संस्कृत, लौकिक, संस्कृत सामान्य परिचय। मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाएँ : पालि, प्राकृत, अपभ्रंश आदि का सामान्य परिचय।
   श्रेयांक/कर्मांक = 01
2. आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ और उनका वर्गीकरण– हार्नली, ग्रियर्सन (अंतिम वर्गीकरण) चटर्जी और हरदेव बाहरी द्‌वारा किया गया वर्गीकरण। आधुनिक भारतीय आर्य भाषाओं का सामान्य परिचय।
   (तासिकाएँ 15 घंटे = श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट– 01)
3. हिंदी बोलियों का वर्गीकरण तथा क्षेत्र–अपभ्रंष (अवहट्‌ट सहित) और पुरानी हिंदी का संबंध, पूर्वी हिंदी व पश्चिमी हिंदी की तुलना, खड़ीबोली, ब्रज और अवधी की व्याकरणिक विशेषताएँ।
4. हिंदी का व्याकरणिक स्वरूप और विकास : रूप रचना– लिंग, वचन और कारक–व्यवस्था के संदर्भ में हिंदी के संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रियारूप तथा अव्ययों का विकास। हिंदी में शब्द निर्माण : उपसर्ग, प्रत्यय, समास।
5. लिपि विज्ञान : लिपि का उद्‌भव और विकास, खरोष्ठी और ब्राह्‌मी लिपि। देवनागरी लिपि – उद्‌भव और विकास। देवनागरी लिपि की विशेषताएँ।
6. हिंदी प्रसार के आंदोलन : प्रमुख व्यक्तियों तथा संस्थाओं का योगदान, राजभाषा के रूप में हिंदी, राजभाषा हिंदी की संवैधानिक स्थिति।

कुल श्रेयांक/कर्मांक = 04

———————————————————

(तासिकाएँ 15 घंटे =श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट– 01)
(तासिकाएँ 15 घंटे =श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट– 01)
(तासिकाएँ 15 घंटे =श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट– 01)

संदर्भ ग्रंथ :

1. भाषा विज्ञान – डॉ. भोलानाथ तिवारी
2. भाषा विज्ञान – डॉ. राजमल बोरा
3. भाषा विज्ञान की भूमिका–सैद्धांतिक विवेचन–डॉ. देवेंद्रनाथ शर्मा
4. भाषा विज्ञान के सिद्धांत – डॉ. त्रिलोचन पांडेय
5. भाषा विज्ञान– सैद्धांतिक विवेचन – रवींद्र श्रीवास्तव
6. भाषा विज्ञान के सिद्धांत और हिंदी भाषा – द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
7. भाषा विज्ञान और भाषाशास्त्र – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी
8. भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा – डॉ. केशवदेव रूपाली
9. भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा – डॉ. विश्वदेव त्रिगुणायत
10. भाषा विज्ञान की भूमिका – आचार्य देवेंद्रनाथ शर्मा
11. सामान्य भाषा विज्ञान – डॉ. बाबूराम सक्सेना
12. आधुनिक भाषा विज्ञान – डॉ. कृपाशंकर सिंह
13. आधुनिक भाषा विज्ञान के सिध्दांत – डॉ. रामकिशोर शर्मा
14. भाषा और भाषा विज्ञान – डॉ. तेजपाल चौधरी
15. भाषा–ब्लूमफील्ड (अनुवादक– डॉ. विश्वनाथ प्रसाद)
16. हिंदी भाषा – डॉ. भोलानाथ तिवारी
17 .हिंदी भाषा का उद्भव और विकास– डॉ. उदयनारायण तिवारी
18 .हिंदी का उद्भव, विकास और रूप – डॉ. हरदेव बाहरी
19 .हिंदी की ग्रामीण बोलियाँ – डॉ. हरदेव बाहरी
20. हिंदी और उसकी उपभाषाओं का स्वरूप– डॉ अंबाप्रसाद' सुमन'
21. हिंदी भाषा – कैलाशचंद्र भाटिया
22. हिंदी भाषा का इतिहास – डॉ. भोलानाथ तिवारी
23. भारतीय लिपियों की कहानी – गुणाकर मुले
24. नागरी लिपि रूप और सुधार – मोहन ब्रिज
25. नागरी लिपि का उद्भव और विकास– डॉ. ओमप्रकाश भाटिया
26. नागरी की लिपि संरचना – डॉ. भोलानाथ तिवारी
27. भारत की भाषाएँ – डॉ. राजमल बोरा
28. मैत्रेयी पुष्पा के उपन्यासों में नारी उत्पीड़न की समस्याएँ–डॉ. साधना भंडारी, जगत भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
30. हिंदी भाषा का विकासात्मक इतिहास– डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
31. हिंदी भाषा का इतिहास और स्वरूप – डॉ. राममूर्ति शर्मा
32. आधुनिक भाषा विज्ञान – डॉ. केशवदत्त रूपाली
33. भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा की भूमिका– त्रिलोचन पांडेय
34. भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा का स्वरूप विकास – डॉदेवेंद्र प्रताप सिंह
35. भाषा विज्ञान और हिंदी – डॉ. रामगोपाल शर्मा 'दिनेश'
36. भाषा शास्त्र तथा हिंदी भाषा की रूपरेखा – डॉ. देवेंद्रकुमार शास्त्री
37. आधुनिक भाषा विज्ञान – डॉ. राजमणि शर्मा
38. भाषा विज्ञान प्रवेश और हिंदी भाषा– डॉ. भोलानाथ तिवारी
39. अभिनव भाषा विज्ञान – डॉ. ओमप्रकाश शर्मा
40. आधुनिक भाषा विज्ञान – कृपाशंकर सिं

Choice Based Credit System Syllabus (2019 Pattern)

Mapping of Program Outcomes with Course Outcomes

Class: **M.A.-II** (Sem - IV) **Subject** : HINDI

Course: Theory **Course Code**: HIN5402

Tittle of Course : हिंदी भाषा का ऐतिहासिक विकास

Weightage: 1= weak or low relation, 2= moderate or partial relation, 3= strong or directrelation

	Programme Outcomes (POs)								
Course Outcomes	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PO 9
CO 1			2			3			
CO 2	3				2			3	
CO 3						2			
CO 4		2							
CO 5		2							
CO 6			3		2		2		
CO 7				1					
CO 8									

Justification for the mapping

PO1: अनुसंधान-संबंधित कौशल :

CO2- भाषा के वैज्ञानिक अध्ययन की दृष्टि निर्माण होंगी।

PO2: प्रभावी नागरिकता और नैतिकता :

CO4- देवनागरी लिपि का विकास तथा इतिहास से परिचित होंगे।

CO5- विभिन्न बोलियों के ज्ञान से सहिष्णुता बढेगा।

PO3: सामाजिक क्षमता :

CO6- भाषा तथा बोलियों से भौगोलिक ज्ञान प्राप्त होगा।

CO1- छात्र हिंदी भाषा के उद्भव एवं विकास के साथ ही उसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से परिचित होंगे।

PO4: अनुशासनात्मक ज्ञान :

CO7- भाषा से संबंधित विभिन्न शब्द कोशों से परिचित होंगे।

PO5: **व्यक्तिगत और व्यावसायिक क्षमता :**

CO2- भाषा के वैज्ञानिक अध्ययन की दृष्टि निर्माण होंगी।

CO6- भाषा तथा बोलियों से भौगोलिक ज्ञान प्राप्त होगा।

PO6: स्व-निर्देशित और जीवनभर सीखना :

CO1- छात्र हिंदी भाषा के उद्‌भव एवं विकास के साथ ही उसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से परिचित होंगे।

CO3- भाषा के विविध अगों से परिचित होंगे।

PO7: पर्यावरण और स्थिरता :

CO6- भाषा तथा बोलियों से भौगोलिक ज्ञान प्राप्त होगा।

PO8: आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान :

CO2- भाषा के वैज्ञानिक अध्ययन की दृष्टि निर्माण होंगी।

स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष कला

HINDI [M.A.]

SEMISTER - IV

विशेष स्तर : हिंदी साहित्य का इतिहास

(आधुनिक काल)

PAPER CODE : HIN5403

(2020-2021)

(2019 Pattern)

Name of the Programme : M.A. Hindi

Program Code : HIN

Class : M. A. - II

Semester : IV

Course Type : Major Mandatory

Course Name : विशेष स्तर : हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

Course Code : HIN5403

No. of Lectures : 60

No. of Credits : 04

a) उद्देश्य (Course Objectives) :

1. छात्रों को हिंदी गद्य के अविर्भाव के प्रधान कारणों, परिस्थितियों का परिचय देना।
2. विषयवस्तु, भाषा शैली, शिल्प, विचारधारा, प्रभाव ग्रहण आदि से परिचित कराना।
3. हिंदी की प्रमुख गद्य विधाओं के विकासक्रम से परिचित कराना।
4. आधुनिक काल के प्रमुख गद्यकारों का परिचय देना।
5. आधुनिक काल में चित्रित भाषा षिल्प से परिचित करना।
6. आधुनिक काल की विभिन्न साहित्यिक विधाओं का परिचय देना।
7. आधुनिक काल का महत्व समझाना।

b) अपेक्षित परिणाम (Course Outcomes) :

CO1-हिंदी साहित्य के अध्ययन से सामाजिक, नैतिक, राष्ट्रीय मूल्यों का निर्माण करना।
CO2-छात्र आधुनिक काल की विभिन्न विधाओं से परिचित होंगे।
CO3-साहित्य और युग जीवन का संबंध विषद करने की क्षमता निर्माण होंगी।
CO4-राष्ट्रीय आंदोलन आधुनिक काल के साहित्य से अवगत होंगे।
CO5-छात्र आधुनिक काल की बदलती साहित्यिक धारा से परिचित होंगे।
CO6-छात्रों में आधुनिक काल के साहित्य के प्रति रुचि बढ़ेंगी और नई सोच विकसित होंगी।
CO7-छात्रों में शोध वृत्ति निर्माण होंगी।

अध्यापन पद्धति :

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण।
2. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा गुटचर्चा।
3. दृक–श्राव्य माध्यमों/संगणक तथा इंटरनेट का प्रयोग।
4. शैक्षिक अध्ययन यात्रा का आयोजन
5. परिचर्चा।
6. अतिथि विद्वानों के व्याख्यान।

एम.ए.(हिंदी) चतुर्थ सत्र
प्रश्नपत्र – 15
विशेष स्तर – हिंदी साहित्य का इतिहास
(आधुनिक काल)
(इस प्रष्नपत्र के लिए कुल श्रेयांक/कमांक/क्रेडिट= 04)

पाठ्यक्रम

(क)1. हिंदी गद्य का निर्माण हिंदी गद्य के आविर्भाव के लिए प्रेरक परिस्थितियाँ 1857 की राज्य क्रांति और सांस्कृतिक पुनर्जागरण।

2. भारतेंदु पूर्व काल के हिंदी गद्य का सामान्य परिचय – विशेषताएँ, प्रमुख गद्यकार, फोर्ट विलियम कॉलेज, ईसाई मिशनरी, आर्य समाज, ब्राह्मो समाज आदि का योगदान और हिंदी गद्य।
3. भारतेंदुयुगीन गद्य– साहित्य का स्वरूप और विशेषताएँ।
4. द्विवेदीयुगीन हिंदी साहित्य – साहित्य का स्वरूप और सामान्य विशेषताएँ, साहित्य विषयक मान्यता, राष्ट्रीय भावना, सुधारवादी दृष्टि, भाषा सुधार।

सूचना – उपर्युक्त चार विषय केवल स्वाध्याय के लिए है।

श्रेयांक/कर्मांक/क्रेडिट– 01

अध्ययनार्थ विषय :

(ख) हिंदी गद्य विधाओं का विकास :

1. हिंदी उपन्यास साहित्य का विकास :प्रेमचंदपूर्व युग, प्रेमचंद युग, प्रेमचंदोत्तर युग, स्वातंत्र्योत्तर युग(संबंधित युग के उपन्यास साहित्य की कथ्यगत एवं शिल्पगत प्रवृत्तियों का सामान्य परिचय)प्रमुख उपन्यासकारों का विशेष परिचय प्रेमचंद, जैनेंद्रकुमार, हजारीप्रसाद द्विवेदी, यशपाल, वृंदावनलाल वर्मा, अज्ञेय, अमृतलाल नागर,फणीश्वरनाथ रेणु, रामदरश मिश्र, शिवप्रसाद सिंह,निर्मल वर्मा, भीष्म साहनी, राहीमासूम रज़ा,श्रीलाल शुक्ल, मन्नू भंडारी, कृष्णा सोबती।
2. हिंदी कहानी साहित्य का परिचय : प्रेमचंदपूर्व युग, प्रेमचंद युग, प्रेमचंदोत्तर युग, स्वातंत्र्योत्तर युग, प्रमुख कहानी आंदोलन बीसवीं सदी तक,(संबंधित युग के कहानी साहित्य की कथ्यगत एवं शिल्पगत प्रवृत्तियों का सामान्य परिचय) प्रमुख कहानीकारों का विशेष परिचय : प्रेमचंद, जयशंकर प्रसाद, जैनेंद्रकुमार, कमलेश्वर, उषा प्रियंवदा, ज्ञानरंजन, उदय प्रकाश।
3. हिंदी नाटक और रंगमंच का उद्भव और विकास : भारतेंदुपूर्व युग, भारतेंदु युग, प्रसाद युग, प्रसादोत्तर युग, स्वातंत्र्योत्तर युग, साठोत्तर युग (संबंधित युग के नाट्य साहित्य की कथ्यगत एवं शिल्पगत प्रवृत्तियों का सामान्य परिचय) प्रमुख नाटककारों का विशेष परिचय : भारतेंदु हरिश्चंद्र, जयशंकर प्रसाद, जगदीशचंद्र माथुर, धर्मवीर भारती, लक्ष्मीनारायण मिश्र, मोहन राकेश, लक्ष्मीनारायण लाल, शंकर शेष, सुरेंद्र वर्मा।

4. हिंदी निबंध का इतिहास : भारतेंदुपूर्व युग, भारतेंदु युग, शुक्लयुग, शुक्लोत्तर युग, स्वातंत्र्योत्तर युग, साठोत्तर युग (संबंधित युग के निबंध साहित्य की कथ्यगत एवं शिल्पगत प्रवृत्तियों का सामान्य परिचय) प्रमुख निबंधकारों का विशेष परिचय :पं प्रतापनारायण मिश्र, आ. रामचंद्र शुक्ल, आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी, विद्यानिवास मिश्र, कुबेरनाथ राय, हरिशंकर परसाई।
5. हिंदी की अन्य गद्य विधाएँ–एकांकी, रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रासाहित्य, आत्मकथा, जीवनी, रिपोर्ताज।

(तासिकाएँ 30 घंटे = श्रेयांक / कर्मांक / क्रेडिट– 02)

(ग) आधुनिक हिंदी काव्य का विकास :

1. भारतेंदुयुगीन कविता : सामान्य प्रवृत्तियाँ, भारतेंदुयुगीन प्रतिनिधि कवियों का सामान्य परिचय – भारतेंदु हरिश्चंद्र, पं. बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमघन'
2. द्विवेदीयुगीन हिंदी कविता : सामान्य प्रवृत्तियाँ द्विवेदी युगीन प्रतिनिधि कवियों का सामान्य परिचय – मैथिलीशरण गुप्त, पं. श्रीधर पाठक
3. राष्ट्रीय काव्यधारा : सामान्य प्रवृत्तियाँ, प्रतिनिधि कवियों का सामान्य परिचय– माखनलाल चतुर्वेदी, रामधारी सिंह 'दिनकर'
4. छायावादी कविता : उद्भव के कारण, सामान्य प्रवृत्तियाँ, सीमाएँ प्रमुख छायावादी कवियों का सामान्य परिचय – पंत, प्रसाद, निराला, महादेवी वर्मा।
5. प्रगतिवादी कविता : उद्भव के कारण, सामान्य प्रवृत्तियाँ, सीमाएँ, प्रतिनिधि कवियों का सामान्य परिचय – नागार्जुन, केदारनाथ अग्रवाल।
6. प्रयोगवादी कविता : उद्भव के कारण, सामान्य प्रवृत्तियाँ तथा प्रमुख कवि।
7. नई कविताः सामान्य प्रवृत्तियाँ, प्रतिनिधि कवियों का सामान्य परिचय –अज्ञेय, मुक्तिबोध, गिरिजाकुमार माथुर, नरेश मेहता, रघुवीर सहाय।
8. साठोत्तरी कविता सामान्य प्रवृत्तियाँ, प्रतिनिधि कवियों का सामान्य परिचय– धूमिल, दुष्यंतकुमार, लीलाधर जगुडी, केदारनाथ सिंह, चंद्रकांत देवताले, मंगलेश डबराल।
9. समकालीन कविता की विशेषताएँ और प्रमुख कवि।

कुल श्रेयांक / कर्मांक = 04

———————————————

(तासिकाएँ 15 घंटे =श्रेयांक / कर्मांक / क्रेडिट– 01)

(तासिकाएँ 15 घंटे =श्रेयांक / कर्मांक / क्रेडिट– 01)

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास – आ. रामचंद्र शुक्ल
2. हिंदी साहित्य का इतिहास – सपां. डॉ. नगेंद्र
3. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास – डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त
4. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
5. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
6. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. श्यामचंद्र कपूर (प्रभात प्रकाशन, दिल्ली)
7. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ. बच्चन सिंह
8. हिंदी साहित्य और उसकी प्रवृत्तियाँ – डॉ. गोविंदराम शर्मा
9. हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ – डॉ. जयकिशनप्रसाद खंडेलवाल
10. हिंदी साहित्य का सुबोध इतिहास – बाबू गुलाबराय
11. आधुनिक साहित्य का इतिहास – डॉ. बच्चन सिंह
12. हिंदी साहित्य की भूमिका – डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी
13. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – डॉ. रामकुमार वर्मा
14. हिंदी गद्य : उद्भव और विकास – डॉ. उमेश शास्त्री
15. हिंदी साहित्य : एक परिचय – डॉ. त्रिभुवन सिंह
16. हिंदी साहित्य और संवेदना का इतिहास– डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी
17. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
18. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी साहित्य – रामरतन भटनागर
19. हिंदी साहित्य : युग और प्रवृत्तियाँ – डॉ. शिवकुमार शर्मा
20. हिंदी साहित्य का प्रवृत्तिपरक इतिहास – डॉ. सभापति मिश्र
21. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. माधव सोनटक्के
22. हिंदी साहित्य का अद्यतन इतिहास – डॉ. मोहन अवस्थी
23. हिंदी साहित्य का सही इतिहास–डॉ.चंद्रभानु सोनवने, सूर्यनारायन रणसुभे
24. हिंदी साहित्य का आधा इतिहास – डॉ. सुमन राजे
25. हिंदी साहित्य की नवीन विधाएँ – डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया
26. हिंदी साहित्य का इतिहास : नए विचार नई दिशाएँ – डॉ. सुरेशकुमार जैन
27. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. सज्जनराम केणी
28. हिंदी साहित्य – डॉ. धर्मवीर भारती
29. मैथिलीशरण गुप्त के खंडकाव्यों का अनुशीलन–डॉ. योगिता हिरे
30. यशपाल के उपन्यासः गवेषणात्मक अध्ययन– डॉ. अनिता नेरे
31. साठोत्तरी हिंदी कथासाहित्य :स्त्री विमर्श–संपा.डॉ.अनितानेरे, डॉ.योगिता हिरे
32. मार्कंडेय का कथा साहित्य और ग्रामीण सरोकार– डॉ. जिभाऊ मोरे
33. आलोचना और आलोचना–देवीशंकर अवस्थी,वाणी प्रकाशन, 21–ए,दरियागंज, नई दिल्ली–2
34. अंतिम दशक की हिंदी कहानियॉ संवेदना और शिल्प– डॉनीरज शर्मा, वाणी

प्रकाशन, 21–ए, दरियागंज, दिल्ली–2
35. हिंदी नाटक और रंगमंच– संपा. धीरेंद्र शुक्ल, नेशनल पब्लिशिंग हाउस,337, चौड़ा रास्ता, जयपुर–3
36. हिंदी साहित्य संक्षिप्त इतिवृत्त– शिवकुमार मिश्र, वाणी प्रकाशन, 21–ए, दरियागंज, नई दिल्ली–2
37. अंतिम दो दशकों का हिंदीसाहित्य–संपा.मीरा गौतम, वाणी प्रकाशन, 21–ए, दरियागंज, नई दिल्ली–2
38. हिंदी नाटक आज तक– डॉ. वीणा गौतम, शब्द सेतु, ए–139, गली नं. 3, कबीर नगर, दिल्ली– 94
39. बीसवीं शताब्दी का हिंदी साहित्य–विजयमोहन सिंह, राजकमल प्रका. प्रा लि 1–बी, नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली

Choice Based Credit System Syllabus (2019 Pattern)

Mapping of Program Outcomes with Course Outcomes

Class: **M.A.-II** (Sem - IV) **Subject** : HINDI

Course: Theory **Course Code**: HIN5403

Tittle of Course : हिंदी साहित्य का इतिहास

Weightage: 1= weak or low relation, 2= moderate or partial relation, 3= strong or directrelation

	Programme Outcomes (POs)								
Course Outcomes	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PO 9
CO 1		3				3			
CO 2									
CO 3					3			3	
CO 4									
CO 5			3						
CO 6			3	2			1	2	
CO 7	3				2			3	
CO 8									

Justification for the mapping

PO1: अनुसंधान-संबंधित कौशल :

CO7- छात्रों में शोध वृत्ति निर्माण होंगी।

PO2: प्रभावी नागरिकता और नैतिकता :

CO1- हिंदी साहित्य के अध्ययन से सामाजिक, नैतिक, राष्ट्रीय मूल्यों का निर्माण होगा।

PO3: सामाजिक क्षमता :

CO5- छात्र आधुनिक काल की बदलती साहित्यिक धारा से परिचित होंगे।

CO6- छात्रों में आधुनिक कालीन साहित्य के प्रति रुचि बढ़ेंगी और उनमें नई सोच विकसित होंगी।

PO4: अनुशासनात्मक ज्ञान :

CO6- छात्रों में आधुनिक कालीन साहित्य के प्रति रुचि बढ़ेंगी और उनमें नई सोच विकसित होंगी।

PO5: **व्यक्तिगत और व्यावसायिक क्षमता :**

CO3- साहित्य और युग जीवन का संबंध विषद करने की क्षमता निर्माण होंगी।

CO7- छात्रों में शोध वृत्ति निर्माण होंगी।

PO6: स्व-निर्देशित और जीवनभर सीखना :

CO1- हिंदी साहित्य के अध्ययन से सामाजिक, नैतिक, राष्ट्रीय मूल्यों का निर्माण होगा।

PO7: पर्यावरण और स्थिरता :

CO6- छात्रों में आधुनिक कालीन साहित्य के प्रति रुचि बढ़ेंगी और उनमें नई सोच विकसित होंगी।

PO8: आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान :

CO7- छात्रों में शोध वृत्ति निर्माण होंगी।

CO3- साहित्य और युग जीवन का संबंध विषद करने की क्षमता निर्माण होंगी।

CO6- छात्रों में आधुनिक कालीन साहित्य के प्रति रुचि बढ़ेंगी और उनमें नई सोच विकसित होंगी।

स्नातकोत्तर द्वितीय वर्ष कला

HINDI [M.A.]

SEMISTER - IV

विशेष स्तर : लोकसाहित्य

PAPER CODE : HIN5404

(2020-2021)

(2019 Pattern)

Name of the Programme	: M.A. Hindi
Program Code	: HIN
Class	: M. A. - II
Semester	: IV
Course Type	: Major Mandatory
Course Name	: विशेष स्तर : लोकसाहित्य
Course Code	: HIN5404
No. of Lectures	: 60
No. of Credits	: 04

a) उद्देश्य (Course Objectives) :

1. छात्रों को लोकसाहित्य के स्वरूप से परिचित कराना।
2. लोकसाहित्य की विविध विधाओं की जानकारी देना तथा लोकजीवन में उसकी व्यापकता समझाना।
3. लोकसाहित्य का महत्व समझाकर उसके विशेष अध्ययन के लिए प्रेरित करना।
4. महाराष्ट्र के लोकसाहित्य से परिचित कराना।
5. छात्रों को लोकसाहित्य महत्व समझाना।
6. साहित्य तथा लोकसाहित्य का अंतसंबंध से अवगत कराना।
7. लोकसाहित्य के माध्यम से संस्कृति का परिचित देना।

b) अपेक्षित परिणाम (Course Outcomes) :

CO1-लोकसाहित्य में सामाजिक प्रथाओं, परंपरांओं और सांस्कृतिक मूल्यों की जीवंत प्रस्तुतियों से परिचित होंगे।

CO2-छात्र लोक जीवन शैली से परिचित होंगे।

CO3-लोक कला के क्षेत्र में कौषल विकास कर रोजगार प्राप्त कर सकेंगे।

CO4-लोकसाहित्य के विविध विधाओं का अध्ययन कर अपने ज्ञान और अनुभव से शोधकार्य करने में समर्थ होंगे।

CO5-लोकसाहित्य से जुड़ी अन्य कलाओं को सीखकर छात्र नया प्रयोग करते हुए देष–विदेष में यष एवं अर्थोपार्जन कर सकेंगे।

CO6-पारंपारिक लोक कलाओं को जीवित रखेंगे।

CO7-लोकसाहित्य के माध्यम से समाज में जनजागृति करने का कार्य करेंगे।

अध्यापन पद्धति :

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण।
2. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा गुटचर्चा।
3. दृक–श्राव्य माध्यमों/संगणक तथा इंटरनेट का प्रयोग।
4. शैक्षिक अध्ययन यात्रा का आयोजन
5. लोक–साहित्यकारों से साक्षात्कार।
6. अतिथि विद्वानों के व्याख्यान।

एम.ए.(हिंदी) चतुर्थ सत्र
प्रश्नपत्र 16
विशेष स्तर – वैकल्पिक (ख) लोकसाहित्य
(इस प्रष्नपत्र के लिए कुल श्रेयांक/क्रमांक/क्रेडिट= 04)

पाठ्यक्रम

अध्ययनार्थ विषय :

1. 'लोक' शब्द की व्युत्पत्ति, स्वरूप, लोकसाहित्य का स्वरूप –परिभाषाएँ तथा विशेषताएँ,

लोकसाहित्य और शिष्ट साहित्य में साम्य–भेद, लोकवार्ता का स्वरूप, लोकसाहित्य का

महत्व।

2. लोकसाहित्य और अन्य ज्ञानशाखाओं का परस्पर संबंध–इतिहास, पुरातत्व, मानव विज्ञान,

समाज विज्ञान, मनोविज्ञान, भाषा विज्ञान, भूगोल, अर्थशास्त्र, धर्मशास्त्र।

3. लोकसाहित्य संकलन : उद्देश्य, संकलन की पद्धतियाँ, संकलनकर्ता की क्षमताएँ,

संकलनकर्ता के लिए उपयुक्त साधन सामग्री, संकलनकर्ता की समस्याएँ तथा समाधान।

4. लोकगीत : परिभाषाएँ, विशेषताएँ और प्रेरणा स्रोत, लोकगीत और शिष्टगीत में अंतर,

लोकगीतों के वर्गीकरण की पद्धतियाँ, लोकगीतों का परिचय–सोहर, मुंडन, विवाह,गौना,

होली, सावनगीत आदि।

5. लोकगाथा : परिभाषाएँ एवं स्वरूप, लोकगाथा के उत्पत्तिविषयक सिद्धांत, किसी एक

लोकगाथा का सामान्य परिचय–ढोला–मारू रा दूहा,नल–दमयंती, लैला–मजनू,हीर–राँझा,

सोहनी–महीवाल, लोरिक–चंदा आदि।

6. लोककथा :परिभाषा एवं स्वरूप, विशेषताएँ, लोककथा में अभिप्राय का महत्व,लोककथा के

उत्पत्तिविषयक सिद्धांत, लोककथाओं का वर्गीकरण।

7. लोकनाट्य : परिभाषा एवं स्वरूप, विशेषताएँ, लोकनाट्य और शास्त्रीय नाटक में अंतर,

लोकनाट्यों का परिचय–रामलीला, रासलीला, कीर्तन, यक्षगान, जात्रा, भवाई, ख्याल,माँच,

नौटंकी, कुचिपुड़ी।

8. महाराष्ट्र का लोकनाट्य – तमाशा, गोंधळ, लावनी, पोतराज, सुंबरान, वासुदेव, भारूड
लळित, दषावतार, पोवाडा, कीर्तन आदि।

9. प्रकीर्ण लोकसाहित्य :मुहावरे, कहावतें, पहेलियाँ, मुकरियाँ, सूक्तियाँ, ढकोसले, चुटकुले,
मंत्र, टोना आदि का परिचय।

10. लोकसाहित्य का कलापक्ष : भावव्यंजना, रस परिपाक, भाषा, अलंकार–योजना, छंद–विधान, प्रतीकात्मकता आदि दृष्टियों से विवेचन।

कुल श्रेयांक / कर्मांक = 04

———————————

(तासिकाएँ 15 घंटे =श्रेयांक / कर्मांक / क्रेडिट– 01)
(तासिकाएँ 15 घंटे =श्रेयांक / कर्मांक / क्रेडिट– 01)
(तासिकाएँ 15 घंटे =श्रेयांक / कर्मांक / क्रेडिट– 01)

संदर्भ ग्रंथ :

1. भारतीय लोकसाहित्य – डॉ. श्याम परमार
2. लोकसाहित्य की भूमिका – डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय
3. लोकसाहित्य : सिद्धांत और प्रयोग – डॉ. श्रीराम शर्मा
4. लोक साहित्य के प्रतिमान–डॉ. कुंदनलाल उप्रैति
5. खडीबोली का लोकसाहित्य – डॉ. सत्यगुप्त
6. लोकसाहित्य का विज्ञान– डॉ. सत्येंद्र
7. लोकवार्ता और लोकगीत – डॉ. सत्येंद्र
8. लोकसाहित्य का अध्ययन –डॉ. त्रिलोचन पांडेय
9 लोकसाहित्य – प्राचार्य डॉ. बापूराव देसाई, विकास प्रकाशन,110 / 138 मिश्रा पॅलेश, जवाहर नगर, कानपुर––208012

———————

Choice Based Credit System Syllabus (2019 Pattern)

Mapping of Program Outcomes with Course Outcomes

Class: **M.A.-II** (Sem - IV) **Subject** : HINDI

Course: Theory **Course Code**: HIN5404

Tittle of Course : लोकसाहित्य

Weightage: 1= weak or low relation, 2= moderate or partial relation, 3= strong or directrelation

	Programme Outcomes (POs)								
Course Outcomes	PO 1	PO 2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PO 9
CO 1		2	2						
CO 2									
CO 3					3	2			
CO 4	3							3	
CO 5					3				
CO 6									
CO 7	3			3				3	
CO 8									

Justification for the mapping

PO1: अनुसंधान-संबंधित कौशल :

CO4- लोकसाहित्य के विविध विधाओं का अध्ययन कर छात्र अपने ज्ञान और अनुभव से शोधकार्य करने में समर्थ होंगे।

CO7- लोकसाहित्य के माध्यम से समाज में जनजागृति करने का कार्य करेंगे। ज्ञान और अनुभव से शोधकार्य करने में समर्थ होंगे।

PO2: प्रभावी नागरिकता और नैतिकता :

CO1- लोकसाहित्य में सामाजिक प्रथाओं, परंपरांओं और सांस्कृतिक मूल्यों की जीवंत प्रस्तुतियों से परिचित होंगे।

PO3: सामाजिक क्षमता :

CO1- लोकसाहित्य में सामाजिक प्रथाओं, परंपरांओं और सांस्कृतिक मूल्यों की जीवंत प्रस्तुतियों से परिचित होंगे।

PO4: अनुशासनात्मक ज्ञान :

CO7- लोकसाहित्य के माध्यम से समाज में जनजागृति करने का कार्य करेंगे। ज्ञान और अनुभव से शोधकार्य करने में समर्थ होंगे।

PO5: व्यक्तिगत और व्यावसायिक क्षमता :

CO5- लोकसाहित्य से जुड़ी अन्य कलाओं को सीखकर छात्र नया प्रयोग करते हुए देश-विदेश में यश एवं अर्थोपार्जन कर सकेंगे।

CO3- लोक कला के क्षेत्र में कौशल विकास कर रोजगार प्राप्त कर सकेंगे।

PO6: स्व-निर्देशित और जीवनभर सीखना :

CO3- लोक कला के क्षेत्र में कौशल विकास कर रोजगार प्राप्त कर सकेंगे।

PO7: पर्यावरण और स्थिरता :

PO8: आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान :

CO4- लोकसाहित्य के विविध विधाओं का अध्ययन कर अपने ज्ञान और अनुभव से शोधकार्य करने में समर्थ होंगे।

CO7- लोकसाहित्य के माध्यम से समाज में जनजागृति करने का कार्य करेंगे। ज्ञान और अनुभव से शोधकार्य करने में समर्थ होंगे।